

पृतिलिखि आदेशादिनांक ३-१-१४ पारत द्वारा श्री अक्षोक्ते शिक्षके  
लदस्य राजस्व मण्डल मध्य० रवालियर पृकरणकुमांक १८६६-तोन/१४  
विरुद्ध आदेशादिनांक २५-४-१४ पारत द्वारा अमर कलेक्टर सागर  
पृकरणकुमांक ५३/अ-२७/१३-१४०

महेश पिता श्री बजराम औह रवार  
निवासो पालाठेकन्क रोड छुइ  
तहसील छुइ जिला सागर मध्य०  
विरुद्ध

मध्य० शासन

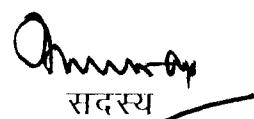
--- आवेदक

-- अनावेदक

3.7.2014

प्रकरण में पूर्व पेशी पर आवेदक के अभिभाषक को निगरानी की ग्राह्यता पर सुना जा चुका है; प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया। अपर कलेक्टर, रागर के प्र.क. 53/अ-27/13-14 में पारित आदेश दिनांक 25-4-14 से अवलोकन से पाया गया कि उन्होंने ए.प्र. २० राजस्व संहिता 1959 की धारा 16<sup>८</sup> के अंतर्गत मूल न्यायालय की हैसियत र आदेश पारित किया है जिसके विरुद्ध प्रथम अपील आयुक्त/अपर आयुक्त को होगी एवं आयुक्त एवं अपर आयुक्त के अदेश के विरुद्ध अपील/निगरानी राजस्व मञ्डल में पोषणीय है।

१/ उपरोक्त कारणों से अपर कलेक्टर का आदेश दिनांक 25-4-14 अपील योग्य होने से आवेदक नाक्षण न्यायालय में अपील करने हेतु स्वतंत्र है। वह वाहे तब इस आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्त कर 30 दिवस के मीतर आयुक्त/अपर आयुक्त के समक्ष अपील कर राकेगा। तदनुसार निगरानी अग्राह्य होने से अमान्य की जाती है। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा करें।

  
रादस्य